खण्ड—स **2×20=40**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10. महापुराण में वर्णित नामेय चरिउ की कथा का संक्षिप्त परिचय देते हुए उसकी शिक्षाओं पर प्रकाश डालिये।

11. चरितकाव्य किसे कहते हैं ? स्पष्ट करते हुये सुदंसण चरिउ में वर्णित सप्त व्यसनों पर टिप्पणी लिखिये।

12. गेहिसुर की कथा अपने शब्दों में लिखते हुए उसमें विहित शिक्षा पर प्रकाश डालिये।

13. साहित्य में कथा का महत्त्व है। स्पष्ट कीजिए तथा आमंगलिक पुरुष की कथा का सार लिखते हुए उसकी शिक्षा पर प्रकाश डालिए।

14. चरित्र काव्य की विशेषता को स्पष्ट कीजिए।

332

DAL–02

June – Examination 2020

Diploma in Apabhransha Language Examination

अपभ्रंश गद्य-पद्य एवं छन्द विवेचन

Paper : DAL-02

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **10×2=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

(अनिवार्य)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार, एक वाक्य, एक शब्द या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1. (i) किस कवि को कविकाल सर्वज्ञ की ख्याति प्राप्त हुई ?

   (ii) देह में रहते हुए भी जो न देह को छूता है और न ही देह द्वारा छुआ जाता है, उसे क्या कहा जाता है ?

(iii) संदेश रासक की रचनाकाल एवं रचयिता का नाम बताइये।

(iv) प्रबन्ध काव्य किसे कहते हैं ?

(v) परमात्म प्रकाश किस भावधारा की रचना है ? इसके रचयिता कौन हैं ?

(vi) विदुषी पुत्रवधू ने 'यह अभी उत्पन्न नहीं हुआ' यह कथन किसके लिए कहा ?

(vii) ग्वाले का सुदर्शन के रूप में जन्म किस मन्त्र के महात्म्य से हुआ ?

(viii) घर में शूर स्वर्णकार किससे एवं कब लूटा गया ?

(ix) छन्द में यति का अर्थ क्या होता है ?

(x) मुक्तक काव्य की प्रमुख दो धाराएँ बताइये।

खण्ड—ब **4×10=40**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2. निम्नलिखित दोहों का अर्थ समझाइये :

(i) जुएं घणहु ण हाणि पर वयहं न होइ विणासु
लग्गउ कट्ठु ण उहइ पर इयरहं ऽहहहुयासु।

(ii) धम्म सरुवे परिणवइ चाउ णि चत्तहं विष्णु।
साहय जलु सिधिहिं गयउ मुत्तिउ हाइ खण्यु॥

3. निम्नलिखित दोहों का अर्थ लिखिये :

(i) देहह पेक्खिवि, जर मरयु मा भउ जीव करेहि
जे अजरामरु बभु परु सो अप्पाणु मुणेहि।

(ii) जइ परहुएहिं रडिय सरसं सुमणोहरं चलऊहिसरे।
ता किं भुवयारुढा मा काया करकरायंतु॥

4. निम्नलिखित दोहा का व्याकरणिक विश्लेषण के साथ अर्थ लिखिये :

गुणवंतइं सह सगुकरि भल्लिम पावहि जेम
सुवय सुपत्र विवज्जियउ वर तरु वुच्चइकेम।

5. निम्नलिखित गद्यांश का संदर्भ बताते हुए अर्थ लिखिये :

जीवाणं महवय महादुल्लहु-कहं एतें एतहिं जीव पतये गहीय ? इति परिक्खेव समस्सहे उत्तरु पुरणु अहुण समउ न संजाउ किं पुव्व विगासां ? ताहे हियये गउ माउ जाइ साहुएं उतु-समयताणु। कया मच्चु होसइ ति नत्थि नाणं तेण समय विणा निग्गउ।

6. छन्द का स्वरूप एवं उसके भेद को स्पष्ट कीजिए।

7. मात्रिक छन्द किसे कहते हैं ? उसके किसी एक भेद को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

8. दोहा छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।

9. हेमचन्द्र आचार्य के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिये।